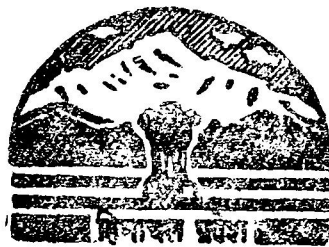


रजिस्टर्ड नं० एल०-३३-एस० एम० १३-१४/९७.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, २१ अगस्त, १९९७/३० श्रावण, १९१९

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-४, २० अगस्त, १९९७

संख्या १-५२/९७-वि० स०.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली १९७३ के नियम १३५ के अन्तर्गत "हिमाचल प्रदेश यात्रियों तथा समान पर कर लगाने का (संशोधन और

विधिमाम्यकरण) विधेयक 1997 (1997 का विधेयक संख्यांक 16)" जो आज दिनांक 20 अगस्त, 1997 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ असाधारण राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है ।

अजय भण्डारी,
सचिव ।

1997 का विधेयक संख्यांक 16.

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक, 1997

(विधान सभा में पुरः स्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के अड़तालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन और विधिमान्यकरण) अधिनियम, 1997 है। संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ।

(2) यह 14 अगस्त, 1997 को प्रवृत्त होगा तथा प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा ।

1955 का 15. 2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की उद्देशिका में शब्द “certain” का लोप किया जाएगा । उद्देशिका का संशोधन ।

3. मूल अधिनियम की धारा 2 में,—

धारा 2 का संशोधन ।

(क) विद्यमान खण्डों (aa), (c), (e) और (g) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड (aa), (c), (e), (ea) और (g) रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(aa) “business” includes,—

(i) the business of carrying passengers and goods by motor vehicles;

(ii) any trade, commerce or manufacture, or any adventure or concern in the nature of trade, commerce, or manufacture whether or not such trade, commerce, manufacture, adventure or concern is carried on with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such trade, commerce, manufacture, adventure or concern; and

(iii) any transaction in connection with, or incidental or ancillary to, such trade, commerce, manufacture, adventure or concern;

- (c) "fare" or "freight" includes sums fixed by the competent authority under the Motor Vehicles Act for the hire of motor vehicles for carriage of passengers and the transport of goods therein and includes the sum payable for a season ticket, and where no such fare or freight has been fixed, also includes such sum as specified in Schedule-I;
- (e) "motor vehicle" means any transport vehicle, which is mechanically propelled and adapted for use upon roads whether the power of propulsion is transmitted thereto from an external or internal source, or a trailer when attached to any such vehicle and includes—
- (i) a motor vehicle used for carriage of passengers or goods or both for hire or reward in contravention of the provisions of the Motor Vehicles Act; and
- (ii) a maxi cab, which is constructed or adapted to carry more than six passengers, but not more than twelve passengers;
- (ea) "Motor Vehicles Act" means the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) and the Motor Vehicles Act, 1988, (59 of 1988), as the case may be;
- (g) "passenger" means any person travelling in a motor vehicle, but shall not include the driver or the conductor or any employee of the owner of the vehicle travelling in the bonafide discharge of his duties in connection with the vehicle;"
- (ख) विद्यमान खण्ड (gg), को खण्ड (ga) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और तद्वशात् निम्नलिखित खण्ड (gb) और (gc) अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—
- “(gb) “private service vehicle” means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six persons excluding the driver and ordinarily used by or on behalf of the owner of such vehicle for the purpose of carrying persons for, or in connection with, his trade or business;
- (gc) “road” means a track for travel or transportation to and from, serving as a means of communication, between two places;” and
- (ग) खण्ड (i) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड (ia) अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
- “(ia) “transport vehicle” means a public service vehicle, a goods carriage, an educational institution bus or a private service vehicle;”

4. मूल अधिनियम की धारा 3 में,—

धारा 3 का संशोधन ।

- (क) उप-धारा (1) में, विद्यमान स्पष्टीकरण का लोप किया जाएगा; और
- (ख) उप-धारा (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-धारा (1A) अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(1A) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), when passengers are carried and goods are transported by a motor vehicle and—

(i) no fare or freight, whether chargeable or not, has been charged, or

(ii) fare or freight has been charged at a concessional rate,

the tax at the rates as directed by notification by the Government under sub-section (1), shall be levied, charged and paid as if the passengers were carried or goods were transported either on fares and freights fixed by the competent authority under the Motor Vehicles Act for different classes of roads and motor vehicles in the State or on the fares and freights, for different classes of roads and motor vehicles, specified in Schedule-I to this Act, whichever is higher :

Provided that the State Government, may, by notification, amend Schedule-I, and thereupon the Schedule-I, shall stand amended accordingly :

Provided further that every notification amending Schedule-I, shall be laid on the Table of the Legislative Assembly.”

5. मूल अधिनियम की धारा 3A में, शब्द “stage/contract carriage” के स्थान पर शब्द “transport vehicle, excluding a goods vehicle/ carriage”, प्रतिस्थापित किए जाएंगे । धारा 3A का संशोधन ।

6. मूल अधिनियम की धारा 3B और धारा 21A में जहां भी शब्द “Schedule”, आया है उसके स्थान पर शब्द “Schedule-II” रखा जाएगा । धारा 3B और धारा 21A का संशोधन ।

7. मूल अधिनियम के विद्यमान “SCHEDULE” को “SCHEDULE-II” के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और ऐसे पुनः संख्यांकित “SCHEDULE-II” से पूर्व निम्न “SCHEDULE-I” अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :— अनुसूची-I का अन्तःस्थापन ।

"SCHEDULE-I

(A) PASSENGERS MOTOR VEHICLES:

Sl. No.	Period	Class of road	Class of motor vehicles and fare (in paise) per kilometer per passenger				
			Ordinary bus with carrying capacity		Deluxe buses	Semi-deluxe buses	Night/Express bus services
			of more than 30 passengers	upto 30 passengers			
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	From 23-12-55 to 9-9-1982.	(a) Roads in plains (Mettled)	4.5	12.1	80 % more than the fare as specified in column No. 4.	4.5	25 % more than the fare as specified in column No. 4.
		(b) Roads in plains (Non-mettled).	5.5	12.1	-do-	5.5	-do-
		(c) Roads in hills (Mettled and non-mettled) (except mettled and non-mettled roads of Kullu, Kinnaur and Lahaul-Spiti districts).	8.45	12.1	-do-	8.45	-do-
		(d) Mettled and non-mettled roads of Kullu, Kinnaur and Lahaul Spiti districts.	9.66	12.1	-do-	9.66	-do-
2.	10-9-82 to 19-4-1985.	(a) Roads in plains	7.00	15.2	-do-	7.00	-do-
		(b) Roads in hills	12.00	15.2	-do-	12.00	-do-
3.	20-4-85 to 3-1-1991.	(a) Roads in plains	9.00	20.00	100 % more than the fare as specified in column No.4.	50 % more than the fare as specified in column No. 4.	40 % more than the fare as specified in column No.4.

5. 21-1-92 to 14-10-1994.	(a) Roads in plains	12.94	21.30	-do-	-do-	-do-
	(b) Roads in hills	20.13	21.30	-do-	-do-	-do-
6. 15-10-94 to 7-7-1996.	(a) Roads in plains	16.17	16.17	-do-	-do-	-do-
	(b) Roads in hills	25.16	25.16	-do-	-do-	-do-
7. 8-7-96 onwards	(a) Roads in plains	18.60	18.60	-do-	-do-	-do-
	(b) Roads in hills	28.93	28.93	-do-	-do-	-do-

Explanation.—‘Ordinary bus’ means a bus which is not a ‘deluxe bus’, ‘semi-deluxe bus’, or a ‘night/express bus service’.

(B) GOODS VEHICLES/CARRIAGES :

Period	Kind of goods	Freight (in paise) per kilometer per quintal on,—					
		Plain roads		Hill roads		Roads in Lahaul and Spiti district	
		Metalled	Un-metalled	Metalled	Un-metalled	Metalled	Un-metalled
1	2	3	4	5	6	7	8
From 23-12-55 to 6-2-87.	(a) Non-bulky goods	5.75	7.19	7.19	9.20	9.20	9.20
	(b) Bulky goods	7.19	6.62	10.06	11.50	12.65	12.65
7-2-87 to 31-7-1991.	(a) Non-bulky goods	8.05	10.07	10.07	12.88	12.88	12.88
	(b) Bulky goods	10.07	12.07	14.08	16.10	17.71	17.71
1-8-1991 to 15-10-1992.	(a) Non-bulky goods	14.00	17.00	19.00	21.00	24.00	24.00
	(b) Bulky goods	16.00	19.00	21.00	23.00	28.00	28.00
16-10-1992 to 27-10-1996.	(a) Non-bulky goods	15.00	18.00	20.00	22.00	25.00	25.00
	(b) Bulky goods	17.00	20.00	22.00	24.00	29.00	29.00
28-10-96 onwards	(a) Non-bulky goods	18.00	22.00	24.00	26.00	30.00	30.00
	(b) Bulky goods	20.00	24.00	26.00	29.00	31.00	31.00

कनिष्ठ 8. इस अधिनियम की धारा 2, 3, 4, 5, 6 और 7 द्वारा मूल अधिनियम में
उपबन्धों का किण्वण संशोधन मूल अधिनियम के प्रावधानों की सीमा में शामिल किया जा सकता है किण्वण और संशोधन किण्वण मूल मूल जायेंगे ।
भूतत्वशास्त्र प्रभाव से लक्ष्य होता ।

निर्धारण 9. (1) किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकरण के किसी निर्णय, बिना या साक्ष्य
प्राप्तिका में किसी बात के प्रतिबन्ध होने हुए भी, न्यायालय द्वारा प्रदान किया गया या निर्णयों को
विधिमान्य-सामान पर किसी कर का (जिसे इसमें इसके पश्चात् "समान कर" के रूप में निर्दिष्ट
किया गया है) मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन या उक्त अधिनियम के प्रावधानों
के या पश्चात् किसी समय किण्वण, हिमाचल प्रदेश में या निर्णयों तथा सामान पर कर लगाने
का (संशोधन और निर्दिष्टाधिकरण) अधिनियम, 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात्
"यह अधिनियम" निर्दिष्ट किया गया है) किया गया या किया गया तात्पर्य को
निर्धारण, उद्ग्रहण, प्रसार या संदाय या को गैर कार्यवाही या कोई बात निर्दिष्टाधिकरण
और प्रसार मसौदा जायेंगे, मानो ऐसा निर्धारण, उद्ग्रहण, प्रसार, संदाय, उद्ग्रहण
या कार्यवाही या बात इस अधिनियम द्वारा संशोधित उक्त अधिनियम के उपबन्धों के
अधीन किया गया या की गई हो और तत्पश्चात्—

- (i) इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन
निर्धारण, उद्ग्रहण, प्रसार, संदाय या संग्रहण, प्रस्ताव निर्धारण, उद्ग्रहण,
प्रसार, संदाय या संग्रहण, तात्पर्य उक्त कर, बिना के अनुसार निर्धारण,
उद्ग्रहण, प्रसार, संदाय या संग्रहण किया गया और सदैव किया गया
समझा जाएगा;
- (ii) उपर्युक्त किसी प्रकार के कर के बारे में जो संग्रहण किया गया है, किसी
न्यायालय या किसी प्राधिकरण के समक्ष प्रतिपादित की जा सकती है, या अन्य
कार्यवाहियों नहीं होगी या जारी नहीं की जायेंगी और किसी न्यायालय
या अन्य प्राधिकरण द्वारा प्रतिपादित की निर्दिष्ट करन वाली किसी बिना या
आवेदन का प्रस्तुत नहीं किया जाएगा;
- (iii) उन सभी राशियों की समूची, यदि कोई हो, उक्त अधिनियम के उपबन्धों
के अनुसार की जायेंगी, जो तत्पश्चात् उक्त कर के रूप में संग्रहण की गई
होती यदि यह अधिनियम सभी तात्पर्य समय पर प्रवृत्त होता; और
- (iv) इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व, उक्त अधिनियम के अधीन की गई कोई
बात या कार्यवाही (जिसके अन्तर्गत बनाया गया कोई नियम या आदेश,
जारी की गई अधिसूचना या बिना गया कोई निर्देश, गैर की गई श्रुति
या अधिरोपित शक्ति भी है) सदैव इस अधिनियम के अनुसार विधिमान्य रूप
से की गई समझी जायेंगी ।

(2) शंकाओं को दूर करने के लिए, एतद्वारा यह घोषित किया जाता है, कि—

(क) उप-धारा (1) की किसी बात का—

- (i) उक्त कर के निर्धारण, उद्ग्रहण, प्रसार, संदाय या संग्रहण को इस
अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार प्रवृत्त करने से; या
- (ii) उस द्वारा इस अधिनियम के अधीन देय राशि से अधिक उदत्त किए
गए उक्त कर के प्रतिपादित के दावे से;

किसी व्यक्ति को निर्वासित करने के रूप में कार्य नहीं लगाया जाएगा; और

(ख) इस अभिनियम में पूरे, किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य या कृति, आशय के रूप में गणनीय नहीं होगा जो इस प्रकार गणनीय न होवे, यदि यह अभिनियम प्रवृत्त न हुआ होता।

10. (1) विमानन प्रवृत्त में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन 1997 का 4 और विधायककरण) अध्यादेश, 1997 पत्रव्यवस्था निर्गमित किया जाता है।

1997 के
अध्यादेश
संख्यांक 4
का निरसन
और
संशोधन।

(2) ऐसे निरसन को माना जाएगा, निर्गमित अध्यादेश के प्रयोग की तारीख को ही माना जायेगा, इस अभिनियम के संशोधन अध्यादेशों के प्रयोग की तारीख को ही माना जाएगा, तथा इस अभिनियम के संशोधन अध्यादेश में अब ऐसी बात या कार्रवाई की गई थी।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

माननीय उच्च न्यायालय हिमाचल प्रदेश ने 1995 की सिविल रिट याचिका सं० 1733 में शीर्षित राष्ट्रीय जल विद्युत शक्ति निगम सीमित बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार और अन्य में तारीख 27-3-1997 के अपने निर्णय में निजी सेवा यानों और शैक्षणिक संस्थान यानों में, इस आधार पर कि धारा 3 (1) के नीचे दिए स्पष्टीकरण के अर्थान्तरगत विधिक कल्पना द्वारा कराधान के प्रयोजन के लिए (क) कि किराए या भाड़े की सामान्य दर विद्यमान नहीं थी और (ख) मोटरयान अधिनियम, 1988 में यथा अन्तर्विष्ट इन पदों के अर्थ के संदर्भ में कोई मार्ग नहीं था, यात्रियों और माल के वहन/परिवहन के बारे में हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 के उपबन्धों को अपूर्ण और अपर्याप्त ठहराया है। तदनुसार, न्यायालय ने, ऐसे यानों के स्वामियों से कर के उद्ग्रहण, निर्धारण और वसूली को, पूर्वोक्त धारा 3 के उपबन्धों के बाहर पाया है और पूर्व संगृहीत कर के प्रतिदाय का निर्देश दिया है। माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध अपील को भी 28-7-1997 को खारिज कर दिया गया है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा विशेष इजाजत याचिका खारिज करने से, माननीय उच्च न्यायालय द्वारा बताई गई त्रुटियों को दूर करने के लिए, निजी सेवा यानों आदि में यात्रा करने वाले यात्रियों या माल का वहन करने के लिए कर के उद्ग्रहण और वसूली के लिए उपयुक्त क्रियाविधि की व्यवस्था द्वारा और पहले दिए गए कर के संग्रहण को विधिमान्य करने के लिए भी इसे विधिमान्य उपबन्धों का विधायी संरक्षण प्रदान करके शीघ्र पग उठाना आवश्यक हो गया है।

क्योंकि हिमाचल प्रदेश विधान सभा सत्र में नहीं थी और हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 में तत्काल संशोधन करना आवश्यक हो गया था, अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) के अधीन हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन और विधिमान्यकरण) अध्यादेश, 1997 (1997 का 4) 13 अगस्त, 1997 को प्रख्यापित किया गया था और इसे 14 अगस्त, 1997 के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित किया गया था। अब उक्त अध्यादेश को नियमित अधिनियमिति द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना अपेक्षित है।

यह विधेयक उक्त अध्यादेश को बिना किसी उपान्तरण के प्रतिस्थापित करने के लिए है।

सन्त राम,
प्रभारी मन्त्री।

शिमला : 171004.

21 अगस्त, 1997.

वित्तीय ज्ञापन

पूर्व संगृहीत राजस्व के प्रतिधारण को समर्थ बनाने के अतिरिक्त, विधेयक के उपबन्ध अधिनियमित किए जाने पर, राजकोष में लगभग 1.03 करोड़ रुपए का प्रतिवर्ष राजस्व भी सुनिश्चित करेंगे ।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[आबकारी और कराधान विभाग नस्ति सं० ई० एक्स० एन०-एफ० (18) 5/97]

हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश में यादियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन और विधिमन्यकरण) विधेयक, 1997 की विषयवस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन, विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करती हैं ।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 16 of 1997.

THE HIMACHAL PRADESH PASSENGERS AND GOODS
TAXATION (AMENDMENT AND VALIDATION) BILL, 1997

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955).

Be it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-eighth Year of the Republic of India, as follow:—

Short title
and com-
mence-
ment.

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation (Amendment and Validation) Act, 1997.

(2) It shall and shall be deemed to have come into force on the 14th day of August, 1997.

Amend-
ment of
preamble.

2. In the preamble to the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (hereinafter called the principal Act), the word 15 of 1955 "certain" shall be omitted.

Amend-
ment of
section 2.

3. In section 2 of the principal Act,—

(a) for existing clauses (aa), (c), (e) and (g), the following clauses (aa), (c), (e), (ea) and (g) shall be substituted, namely:—

“(aa) “business” includes,—

(i) the business of carrying passengers and goods by motor vehicles;

(ii) any trade, commerce or manufacture, or any adventure or concern in the nature of trade, commerce, or manufacture whether or not such trade, commerce, manufacture, adventure or concern is carried on with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such trade, commerce, manufacture, adventure or concern; and

(iii) any transaction in connection with, or incidental or ancillary to, such trade, commerce, manufacture, adventure or concern ;

- (c) "fare" or "freight" includes sums fixed by the competent authority under the Motor Vehicles Act for the hire of motor vehicles for carriage of passengers and the transport of goods therein and includes the sum payable for a season ticket, and where no such fare or freight has been fixed, also includes such sum as specified in Schedule-I ;
- (e) "motor vehicle" means any transport vehicle, which is mechanically propelled and adapted for use upon roads whether the power of propulsion is transmitted thereto from an external or internal source, or a trailer when attached to any such vehicle and includes—
 - (i) a motor vehicle used for carriage of passengers or goods or both for hire or reward in contravention of the provisions of the Motor Vehicles Act ; and
 - (ii) a maxi cab, which is constructed or adapted to carry more than six passengers, but not more than twelve passengers;
- (ea) "Motor Vehicles Act" means the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) and the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), as the case may be;
- (g) "passenger" means any person travelling in a motor vehicle, but shall not include the driver or the conductor or any employee of the owner of the vehicle travelling in the bonafide discharge of his duties in connection with the vehicle;"
- (b) the existing clause (gg) shall be renumbered as clause (ga) and thereafter the following clauses (gb) and (gc) shall be inserted, namely:—
 - “(gb) “private service vehicle” means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six persons excluding the driver and ordinarily used by or on behalf of the owner of such vehicle for the purpose of carrying persons for, or in connection with, his trade or business;
 - (gc) “road” means a track for travel or transportation to and fro, serving as a means of communication, between two places;”;
- (c) after clause (i), the following clause (ia) shall be inserted, namely :—
 - “(ia) “transport vehicle” means a public service vehicle, a goods carriage, an educational institution bus or a private service vehicle ;”.

4. In section 3 of the principal Act,—

- (a) in sub-section (1), the existing Explanation shall be omitted; and
- (b) after sub-section (1), the following sub-section (1A) shall be inserted, namely:—

Amend-
ment of
section 3.

“(1A) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), when passenger are carried and goods are transported by a motor vehicle and—

- (i) no fare or freight, whether chargeable or not has been charged, or
- (ii) fare or freight has been charged at a concessional rate,

the tax at the rates as directed by notification by the Government under sub-section (1), shall be levied, charged and paid as if the passengers were carried or goods were transported either on fares and freights fixed by the competent authority under the Motor Vehicles Act for different classes of roads and motor vehicles in the State or on the fares and freights, for different classes of roads and motor vehicles, specified in Schedule-I to this Act, whichever is higher :

Provided that the State Government, may, by notification, amend Schedule-I, and thereupon the Schedule-I, shall stand amended accordingly :

Provided further that every notification amending Schedule-I, shall be laid on the Table of the Legislative Assembly.”

Amend-
ment of
section-
3A.

5. In section 3A of the principal Act, for the words “stage/contract carriage”, the words “transport vehicle, excluding a goods vehicle/carriage”, shall be substituted.

Amend-
ment of
sections 3B
and 21A.

6. In sections 3B and 21A of the principal Act, the word “Schedule”, wherever it occurs, the word “Schedule-II” shall be substituted.

Insertion
of
Schedule-I.

7. The existing “SCHEDULE” to the principal Act, shall be re-numbered as “SCHEDULE-II”, and before the “SCHEDULE-II”, so re-numbered, the following “SCHEDULE-I” shall be inserted, namely :—

Sl. No.	Period	Class of road	Class of motor vehicles and fare (in paise) per kilometer per passenger				
			Ordinary bus with carrying capacity		Deluxe buses	Semi-deluxe buses	Night/Express bus services
			of more than 30 passenger	upto 30 passengers			
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	From 23-12-55 to 9-9-1982.	(a) Roads in plains (Mettled)	4.5	12.1	80 % more than the fare as specified in column [No. 4.	4.5	25% more than the fare as specified in column No. 4.
		(b) Roads in plains (Non-mettled).	5.5	12.1	-do-	5.5	-do-
		(c) Roads in hills (Mettled and non-mettled) (except mettled and non-mettled roads of Kullu, Kinnaur and Lahaul Spiti districts).	8.45	12.1	-do-	8.45	-do-
		(d) Mettled and non-mettled roads of Kullu, Kinnaur and Lahaul Spiti districts.	9.66	12.1	-do-	9.66	-do-
2.	10-9-82 to 19-4-1985.	(a) Roads in plains	7.00	15.2	-do-	7.00	-do-
		(b) Roads in hills	12.00	15.2	-do-	12.00	-do-

1	2	3	4	5	6	7	8
3.	20-4-85 to 3-1-1991.	(a) Roads in plains	9.00	20.00	100% more than the fare as specified in column No. 4.	50% more than the fare as specified in column No. 4.	40% more than the fare as specified in column No. 4.
		(b) Roads in hills	14.00	20.00	-do-	-do-	-do-
4.	4-1-91 to 20-1-1992.	(a) Roads in plains	10.35	17.04	-do-	-do-	-do-
		(b) Roads in hills	16.10	17.04	-do-	-do-	-do-
5.	21-1-92 to 14-10-1994.	(a) Roads in plains	12.94	21.30	-do-	-do-	-do-
		(b) Roads in hills	20.13	21.30	-do-	-do-	-do-
6.	15-10-94 to 7-7-1996.	(a) Roads in plains	16.17	16.17	-do-	-do-	-do-
		(b) Roads in hills	25.16	25.16	-do-	-do-	-do-
7.	8-7-96 onwards	(a) Roads in plains	18.60	18.60	-do-	-do-	-do-
		(b) Roads in hills	28.93	28.93	-do-	-do-	-do-

Explanation.—'Ordinary bus' means a bus which is not a 'de-luxe bus', 'semi-deluxe bus', or a 'night/express bus service'.

(B) GOODS VEHICLES/CARRIAGES :

Period	Kind of goods	Freight (in paise) per kilometer per quintal on,—					
		Plain roads		Hill roads		Roads in Lahaul and Spiti district	
		Mettled	Un-mettled	Mettled	Un-mettled	Mettled	Un-mettled
1	2	3	4	5	6	7	8
From 23-12-55 to 6-2-87.	(a) Non-bulky goods	5.75	7.19	7.19	9.20	9.20	9.20
	(b) Bulky goods	7.19	6.62	10.06	11.50	12.65	12.65
7-2-87 to 31-7-1991.	(a) Non-bulky goods	8.05	10.07	10.07	12.88	12.88	12.88
	(b) Bulky goods	10.07	12.07	14.08	16.10	17.71	17.71
1-8-1991 to 15-10-1992.	(a) Non-bulky goods	14.00	17.00	19.00	21.00	24.00	24.00
	(b) Bulky goods	16.00	19.00	21.00	23.00	28.00	28.00
16-10-1992 to 27-10-1996.	(a) Non-bulky goods	15.00	18.00	20.00	22.00	25.00	25.00
	(b) Bulky goods	17.00	20.00	22.00	24.00	29.00	29.00
28-10-96 onwards	(a) Non-bulky goods	18.00	22.00	24.00	26.00	30.00	30.00
	(b) Bulky goods	20.00	24.00	26.00	29.00	31.00	31.00

8. The amendments to the principal Act, made by sections 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of this Act shall and shall always be deemed to have been made retrospectively from the date of the commencement of the principal Act.

Certain provisions to have retrospective operation.

9. (1) Notwithstanding anything contained in any judgment, decree, or order of any court or other authority to the contrary, any assessment, levy, charge or payment of any tax on passengers and goods carried by road (hereinafter referred to as the 'aforesaid tax'), made or purporting to have been made or any action taken or anything done under the provisions of the principal Act at any time on or after the commencement of that Act, but before the commencement of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation (Amendment and Validation) Act, 1997 (hereinafter referred to as 'this Act'), shall be deemed to be a valid and effective, as if such assessment, levy, charge, payment or collection or action or thing had been made, taken or done under the provisions of the said Act as amended by this Act and accordingly—

Validation of assessments etc.

- (i) the aforesaid tax assessed, levied, charged, paid or collected or purporting to have been assessed, levied, charged, paid or collected under the provisions of the said Act, before the commencement of this Act shall be deemed to be and always be deemed to have been validly assessed, levied, charged, paid or collected in accordance with law;
- (ii) no suit or other proceeding shall be maintained or continued in any court or before any authority for the refund of, and no enforcement shall be made by any court or authority of any decree or order directing the refund of, any such aforesaid tax which has been collected;
- (iii) recoveries, if any, shall be made in accordance with the provisions of the said Act of all amounts which would have been collected thereunder as such aforesaid tax if this Act had been in force at all material times; and
- (iv) anything done or any action taken (including any rule or order made, notification issued or direction given or exemption granted or penalty imposed) under the said Act before the commencement of this Act shall be deemed always to have been validly done or taken in accordance with this Act.

(2) For the removal of doubts, it is hereby declared that—

(a) nothing in sub-section (1) shall be construed as preventing any person—

(i) from questioning, in accordance with the provisions of this Act, the assessment, levy, charge, payment or collection of the aforesaid tax; or

(ii) from claiming refund of the aforesaid tax paid by him in excess of the amount due from him under this Act; and

(b) no act or omission on the part of any person, before the commencement of this Act, shall be punishable as an offence which would not have been so punishable as if this Act had not come into force.

FINANCIAL MEMORANDUM

Besides enabling the retention of the revenue already collected, the provisions of the Bill, when enacted, will also secure annual revenue of about Rs. 1.03 crores to the State Exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

—NIL—

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE
CONSTITUTION OF INDIA

[Excise and Taxation Department File No. EXN-F (18) 5/97]

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation (Amendment and Validation) Bill, 1997, recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill by the Legislative Assembly.